खर्ची पूजा

स्रोत: पीआईबी

- हाल ही में **आषाढ़** माह की **शुक्ल अष्टमी के दिन** प्रतिवर्ष मनाई जाने वाली खर्ची पूजा (Kharchi Puja) का आयोजन किया गया।
  - पूजा के दिन 14 देवताओं को **"चंताई" (शाही पुजारी)** के सदस्यों द्वारा **"सैदरा" नदी** पर ले जाया जाता है। देवताओं को पवित्र जल से स्नान कराया जाता है और वापस मंदिर में लाया जाता है।
  - त्योहार के दौरान त्रिपुरा के लोग **अपने 14 देवताओं के** साथ-साथ पृथ्वी की भी पूजा करते हैं।
  - इस त्योहार में एक महत्त्वपूर्ण अनुष्ठान में **चतुर्दश मंडप** का निर्माण शामिल है, यह एक संरचना है जो त्रिपुरी राजाओं के शाही महल का प्रतीक है।
  - खर्ची पूजा को **'14 देवताओं के त्योहार'** के रूप में भी जाना जाता है, इस पारंपरिक कार्यक्रम में त्रिपुरा के लोगों के पैतृक देवता,**चतुर्दश देवता (प्राचीन उज्जयंत महल में स्थित) की पूजा** शामिल है।
- **इतिहास:**
  - हालाँकि यह आदिवासी मूल का त्योहार है, यह त्रिपुरा के आदिवासी और **गैर-आदिवासी दोनों** लोगों द्वारा मनाया जाता है।
  - ऐसा माना जाता है कि देवी **माँ या त्रिपुरा सुंदरी**, भूमि की अधिष्ठात्री देवी है, जो **त्रिपुरा के लोगों की रक्षा** करती है, जून माह में अंबुबाची के समय मासिक धर्म से गुज़रती हैं। लोक मान्यता है कि देवी के मासिक धर्म के दौरान पृथ्वी अशुद्ध हो जाती है।
  - इसलिये मासिक धर्म समाप्त होने के बाद पृथ्वी को स्वच्छ करने के लिये अनुष्ठान द्वारा लोगों के पापों को धोने के लिये **खर्ची पूजा** की जाती है।

//

और पढ़ें: अंबुबाची मेला

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/kharchi-puja-1